डा॰ मुरली मनोहर जोशी: बाल मजदूरी जरूर रुकेगी और बाल मजदूरी रोकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

*73. [*The Questioner (Shri A. Vijaya Raghavan) was absent. For answer vide pages* 48-49 *infra*].

*74. [*The Questioner (Shrimati Vanga Geetha) was absent. For answer vide pages* 49-50 *infra*].

रेलवे में टक्कर रोधी यंत्र

*75. **श्री सी॰ ओ॰ पॉलोस:†**
श्री पी॰ के॰ माहेश्वरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कोंकण रेलवे ने टक्कर-रोधी यंत्रों को विकसित किया है;

(ख) क्या इसकी कार्य कुशलता को परखने के लिए परीक्षण किए गए हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस संयंत्र को अभी तक किसी रेल मार्ग पर लगाया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या रेलवे इस यंत्र को सभी मार्गों पर लगाने का विचार रखता है; और

(च) यदि हां, तो इस कार्य को पूरा करने के लिए निर्धारित समय सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): (क) से (च) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) प्रारंभिक फील्ड परीक्षणों के बाद इस यंत्र की उपयुक्तता की जांच करने के लिए 15.8.2002 से 19.1.2003 तक उत्तर रेलवे के जालंधर-अमृतसर खंड पर विस्तृत फील्ड परीक्षण

†सभा में यह प्रश्न श्री सी॰ओ॰ पॉलोस द्वारा पूछा गया।

किए गए थे. परीक्षणों के परिणामों के आधार पर टक्कर-रोधी यंत्र को तकनीकी रूप से उपयुक्त पाया गया है।

(घ) जी अभी तक नहीं।

(ङ) प्रारंभ में रेलवे का, चुने हुए खंडों पर, टक्कर-रोधी यंत्र लगाने का प्रस्ताव है।

(च) 1. टक्कर-रोधी यंत्र को लगाने/मार्ग सर्वेक्षण के संबंध में निम्नलिखित निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है:

1.1 पूर्वोत्तर सीमा रेलवे पर लगभग 1800 मार्ग किलामीटर पर टक्कर-रोधी यंत्र की व्यवस्था करने के लिए निर्माण कार्य। यह कार्य प्रगति पर है।

1.2 दक्षिण मध्य रेलवे के वास्को-डि-गामा-मडगांव-लोंडा-हुबली-गुंतकल-रेणिगुंटा खंड पर 849 मार्ग किलोमीटर के गैर विद्युतीकृत मार्ग पर और दक्षिण रेलवे के एर्णाकुलम-शोरुवण्णूर-पालघाट-इरोड-चेनै एवं बंगलौर-जोलारपेट्टै-चेनै खंडों के 792 मार्ग किलोमीटर के विद्युतीकृत मार्ग पर टक्कर रोधी यंत्र के लिए मार्ग सर्वेक्षण का कार्य।

Anti collision device in railways

†*75. SHRI C.O. POULOSE:††
SHRI P.K. MAHESHWARI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Konkan Railway has developed an Anti-Collision Device (ACD);

(b) whether trials have been conducted to ascertain its efficiency;

(c) if so, the details thereof;

(d) whether this device has since been installed in any sector of the Railways; if so, details thereof;

(e) whether Railways propose to instal this device in all the sectors; and

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri C.O. Poulose.

(f) if so, details alongwith the time frame set for the completion of this work?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (f) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) After the initial field trails, extended field trials were conducted on Jalandhar-Amritsar section of Northern Railway from 15.8.2002 to 19.01.2003 to ascertain its suitability. On the basis of the results of trails, the ACD has been found technically suitable.

(d) Not yet, Sir.

(e) the railways propose to instal ACD system on selected sections to begin with.

(f) 1. Following works in connection with installation/route survey of ACD have been sanctioned

1.1 A work of provision of ACD on about 1800 RKms on N.F. Railway. The work is in progress.

1.2 Works of ACD route survey on 849 RKms of non-electrified route of Vasco-da-Gama-Madgaon-Londa-hubli-Guntakal-Renigunta section of South Central railway and 792 RKms of electrified route of Ernakulum-Shoranur-Palghat-Erode-Chennai and Bangalore-Jolarpettai-Chennai sections of Southern Railway.

SHRI C.O. POULOSE: Sir, in the recent past, the intensity of accidents in Indian Railways is increasing. The causes for accidents are age-old tracks, rolling stock and other things. Travelling public is very much worried about the situation. Taking into consideration all these facts, will the Railways instal all these devices, at least, Anti-Collision Device in a time-bound programme to cover the whole of Indian Railways?

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, ऐंटी कोलीज़न डिवाइस का परीक्षण नार्दन रेलवे के जालंधर--अमृतसर सैक्शन में पूरा कर लिया गया है और इसका परीक्षण सफल रहा है। इसके बाद

इस डिवाइस को ग्रेजुअली रेलवे सिस्टम में लगाने का विचार है। आज की तारीख में भी एन० एफ० रेलवे में 1800 किलोमीटर में ऐंटी कोलीज़न डिवाइस लगाने का काम चल रहा है। इसके अलावा साउथ सैंट्रल रेलवे और सदर्न रेलवे में सर्वे का काम चल रहा है-इसके लिए कई प्रकार के सर्वे करने पड़ते हैं जैसे रेडियो रिसैप्शन सर्वे करना पड़ता है, जी०पी०एस० सर्वे करना पड़ता है। फिर ऐंगुलर डेविएशन काउंट के लिए प्रोफाइल तैयार होता है, क्योंकि ए०सी०डी० डेविएशन काउंट प्रिंसिपल पर आधारित होता है इसलिए उसका प्रोफाइल तैयार करने के लिए सर्वे करना पड़ता है। यह सारा काम चल रहा है और आगे भी हम इस काम में और तेजी लाएंगे। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और कोंकण रेलवे ने इस तकनीक को ईजाद किया है। यह ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम पर आधारित है। इसलिए इसको लगाने का विचार है और इस पर काम चल रहा है।

SHRI C.O. POULOSE: I asked for a time-bound programme to complete the installation of this instrument.

श्री नीतीश कुमार: काम शुरू हो चुका है। किसी भी काम के लिए टाइम बाउंड प्रोग्राम बनाने से पहले उस काम के लिए धन की जरूरत पड़ती है। हम लोगों ने पैसे का निवेश करना प्रारम्भ कर दिया है। उसके लिए जितना भी धनराशि का प्रावधान करना होगा, वह हम करेंगे क्योंकि हम इस काम में तेजी लाना चाहते हैं।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

New Kendriya Vidyalayas

*65. SHRI RAMADHAR KASHYAP: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to open 100 new Kendriya Vidyalayas in the ensuing academic session; and

(b) if so, the details thereof, State-wise/UT-wise?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) and (b) No such decision has been taken by the Government. However, Kendriya Vidyalaya Sangathan is exploring the possibility of opening new schools from its existing resources.